Corrugated box makers call 3-day shutdown

March to protest against the cines. rise in prices of raw materi-

within four months. steel stitching wire, starch, labour energy and transportation costs, have also gone up by 40-50 per cent, cre-sought the intervention of the ating a difficult situation for government to ease avail-

in the eastern zone, includ- so that domestic requireing states like Bihar, West ments are met.

EICMA, said that they are Eastern India Corrugated Box the backbone of any indus-Manufactures' Association try as regards logistics and if (EICMA) has decided to go for they stop producing, every a voluntary shutdown of their industry will suffer, including units from 11 March to 13 food products and medi-

like this," he said.

The association has also ability of kraft paper and The strike will be observed monitor export of kraft paper

STATESMAN NEWS SERVICE Bengal, and Assam, it said.

KOLKATA, 10 MARCH Mohit Bajaj, president of

"We worked hard during als, which include kraft paper the pandemic, didn't charge and board, by 60 to 65 per cent any extra money for our work, and now nobody is support-Other expenses, including ingus. We are financially suffering and cannot continue

Corrugated box makers plan 3-day shutdown

SP BUREAU

easternIndia are going for MSMEs. a three-day shutdown from March 11 to 13 to protest the relentless rise of input mate- lentlessly since November, ties, he said. rial price and lack of action 2020. There is an increase "We draw the attention of by the government to look of 60 to 65 per cent so far. the government to ease the on Wednesday.

supply chain partners and Association president Mohit said.

Corrugated box makers of packaging and belong to vival of the industry is under

prices are increasing re- lakh indirect job opportuniinto their worsening situa- Entrepreneurs are suffer- availability of kraft paper tion, an industry body said ing immensely due to the (raw material of paper mills) unabated increase in input and to monitor export of Corrugated box manufac- costs," Eastern India Cor- kraft paper so that domestic turers are one of the crucial rugated Box Manufacturers' requirements are met," he

offer eco-friendly alterna- Bajaj said. The situation is tives to wooden and plastic critical and the very surthreat that offers direct em-"Kraft Paper and board ployment to one lakh and 15

11th March 2021- Samay Paribartan (Page - 3)

11th March 2021- The Statesman (Page - 8)

বাক্স তৈরি বন্ধ তিনদিন, প্রশ্ন সামগ্রীর জোগান নিয়ে

সমস্ত ধরণের বাক্স তৈরি বন্ধ থাকবে "দু'দিন অন্তর অন্তর দাম বাড়াচ্ছে ভারতেই বন্ধ থাকবে বাক্স তৈরিষ। এই ধরণের বান্ধ করেই যে কারখানা সংস্থা।"

ল্প ম্যানুফ্যাকচারার্স অ্যাসোসিয়েশন বাস্ক কিনতে অস্বীকার করছে পণ্য জিনিসং ইকমার সভাপতি মোহিত প্লাস্টিকে মুড়ে মাল পাঠাছে দোকালে ইকমা) এহেন ঘোষণায় প্রশ্নের মুখে নির্মাণকারী সংস্থা।মাঝপথে লোকসানে বাজাজ জানিয়েছেন, আমরা নিরুপায়। দোকানে। ইকমার আধিকারিকর নিত্যপ্রয়োজনীয় মালপত্রের যোগান। ডুবছে পূর্ব ভারতের বান্ধ নির্মাণ করা ধর্মঘটের পথে হুঁটিতে চাইনি। কিন্তু বলছেন, "প্লাস্টিক পরিবেশবান্ধব নয় থেকে দোকানে পৌঁছর ওমুধ, বেবি সংস্থার সভাপতি মোহিত বাজাজ আমাদের কিছু করার নেই। সূত্রের খবর, কাগজের দাম না কমলে সকলেরই তে, বিশুদ্ধ পানীয় জল, ভোজা তেল জানিয়েছেন, বান্ধ তৈরির কাঁচামালের গত ১ মাস আগেও বান্ধ তৈরির সমূহ বিপদ শিয়রে।" শুধু কাগজই নয়, রহ রোজকার নিতা প্রয়োজনীয় মূল্যবৃদ্ধি নিয়ে কেন্দ্রীয় মন্ত্রীকে কাগজের দাম ছিল ২৬ টাকা প্রতি বান্ধ স্টিচ করার পিন, আঠা, ডিজেলের জিনিস। কেন এমন ঘোষণাং ইকমার একাধিকবার বলা হয়েছিল। কিন্তু লাভ কেজি। বুধবার তাঁর দাম পৌঁছয় ৪৫ দামও উর্ধ্বমুখী। পূর্ব ভারতে বান্ধ তৈরি প্রাক্তন সভাপতি তথা ট্যাক্সেসেশন সাব হয়নি কিছুই। বিস্কুট থেকে শুরু করে টাকা প্রতি কেজিতে। ইকমার করার সর্ববৃহৎ সংগঠনের দাবি, দাম না চমিটির চেয়ারম্যান- ভারত কেভিয়া বেবিফুড, কারখানায় তৈরির পর আধিকারিকরা জানিয়েছেন, একদিকে কমালে বাক্স তৈরি করা চিরতরে বন্ধ জানিয়েছেন, যে কাগজ দিয়ে বান্ধ পেল্লায় বান্ধ করেই পৌঁছয় দোকানে কাগজ মিলের মালিকরা দাম কমাতে করে দিতে হবে। তার জন্য বেকায়দায় বানাতে হয় তার দাম বাড়ছে দোকানে। আপাতত ঠিক হয়েছে ১১ নারাজ, অন্যদিকে পণ্য প্রস্তুতকারী পরকেন সাধারণ উপভোক্তার।

তনদিন। ইস্টার্ন ইন্ডিয়া কোরুগেটেড কাগজ মিলের মালিক। কিন্তু বর্ধিত দামে তবে কিভাবে দোকানে পৌছবে এইসব সংস্থাগুলি কাগজের বাজের পরিবর্টে প্রতিদিন কাগজের দাম বাড়লে কিন্তু কাগজের বাক্স পরিবেশ বান্ধব

পেপার ও বোর্ডের দাম ৬০-৬৫ শতাংশ বেড়েছে। মূল কাঁচামালের দাম বক্স উৎপাদন কারখানা। এরই জানিয়েছে সংগঠন। বন্ধ ম্যানুফাকচারার্স অ্যাসোসিয়েশেন সন্মিলিত ব্যবসা প্রায় ২,০০০ কোটি কাজ করেন।

হস্তক্ষেপের দাবি পেপার ও বোর্ডের দাম বেড়েছে, তাতে এতেটা বৃদ্ধি পাওয়ায় বিরাট সমস্যায় (ইআইসিএমএ)। পাশাপাশি, এ সম্ভব হচ্ছে না। কারণ, কাঁচামালের দাম পড়েছে রাজ্যের প্রায় হাজার খানেক ব্যাপারে তারা অবিলম্বে কেন্দ্র ও বাডলেও আমাদের বঞ্জের দাম বাডাতে ক্ষুদ্র, ছোট ও মাঝারি করোগোটেড রাজ্য সরকারের হস্তক্ষেপেরও দাবি রাজি নয় বছজাতিক সংস্থাগুলি। কাঁচামালের লাগামছাডা দাম বন্ধির প্রতিবাদে আজ বৃহস্পতিবার থেকে সংগঠনের অন্যতম কর্তা সৌমিত্র প্রতিবাদে আমরা তিন দিনের স্বেচ্ছায় তিন দিনের করোগেটেড শিল্প ক্ষেত্রে চৌধুরী বলেন, 'পশ্চিমবঙ্গে ১,০০০- উৎপাদন বন্ধ রাখার ডাক দিয়েছি।' পূর্ব স্বেচ্ছায় উৎপাদন বন্ধ রাখার ডাক এর মতো করোগেটেড বন্ধ উৎপাদনের ও উত্তর পূর্ব ভারতে এই শিল্পে প্রত্যক্ষ দিয়েছে ইস্টার্ন ইন্ডিয়া করোগোটেড কারখানা রয়েছে। বছরে তাদের ও পরোক্ষ ভাবে প্রায় ১৬ লক্ষ মানুষ

11th March 2021- Ei Samoy (Page - 4)

11th March 2021- Sangbad Pratidin (Page - 3)



11th March 2021- Anandabazar Patrika (Page - 9)





कोरूगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री

पर संकट के बादल

कोलकाता, 11 मार्च (नि.प्र.)। पूर्वी भारत के कोरूगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री पर संकट के बादल छाए हए हैं। समय रहते अगर केन्द्र सरकार ने हस्तक्षेप नहीं किया तो स्थिति बद से बदतर हो सकती है। लाखों की संख्या में लोगों की रोजी-रोटी भी छिन सकती है। 'दैनिक विश्वमित्र' से बात करते हए ईस्टर्न इंडिया कोरूगेटेड वॉक्स न्यफैक्चरर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री मोहित बजाज ने कहा कि तत्काल मोहित बजाज प्रभाव से केन्द्र सरकार ने ध्यान नहीं

दिया तो स्थिति बहत खराब हो ।3 मार्च तक जाएगी। दरअसल पेपर मिलों ने 1 मार्च से कोरूगेटेड बॉक्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले पेपर की कीमतों कोरूगेटेड में बेतहाशा वृद्धि कर दी है। पेपर में कीमतों में वृद्धि का सिलसिला बांक्स उत्पादन दिसम्बर महीने से ही जारी है। आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो पता चलता कारखानों में है कि दिसम्बर से लेकर अब तक कोरूगेटेड बॉक्स तैयार करने में प्रयोग काम बद होने वाले पेपर की कीमत में तकरीबन 70% की बढ़ोतरी हो चुकी है। पेपर

की कीमत बढ़ने से कोरूगेटेड बाक्स स्तर से जानकारी हासिल करे और बनाने की लागत भी लगभग 43 से पेपर मिलों पर कोरूगेटेड बॉक्स 45 प्रतिशत बढ़ गई है। ऐसे हालात बनाने के इस्तेमाल में आने वाले में अब कोरूगेटेड बॉक्स निर्माताओं पेपर की कीमतों में रोज-रोज वृद्धि के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया करने से मना करे। श्री बजाज कहते है। श्री बजाज बताते हैं कि जिन हैं कि ईस्टर्न इंडिया कोरूगेटेड ग्राहकों को कोरूगेटेड बाक्स की बाक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसियेशन के आपूर्ति की जाती है, वे लोग रोज- तहत पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त रोज बढ़ी हुई कीमतों में कोस्गेटेड बाक्स बिहार, झारखंड, उड़ीसा, सिकिम

लेने को तैयार नहीं हैं। यह बात ठीक तथा नार्थ ईस्ट के राज्य आते हैं। भी है। किसी भी चीज के दाम अगर लगभग 1000 कोरूगेटेड बाक्स रोज-रोग बढेंगे तो बाजार में समस्या भैन्यफैक्चरिंग युनिटस इन राज्यों में तो पैदा होना स्वाभाविक ही है। श्री संचालित है, जिनमें प्रत्यक्ष लगभग बजाज का यह भी कहना है कि 1 लाख और अप्रत्यक्ष 15 लाख कोरूगेटेड बॉक्स की खास उपभोक्ता लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वस्तुओं की पैकेजिंग में बहुत बड़ी यह इंडस्ट्री अगर मरती है तो लाखों भूमिका होती है। जितनी भी खाद्य वस्तुएं लोगों के सामने रोजी-रोटी का बड़ा हैं, सभी को कोरूगेटेड बाक्स में पैक संकट खड़ा हो जाएगा। इतना ही कर बाजार में बेचा जाता है। उदाहरण नहीं अगर कोरूगेटेड बॉक्स बनना के तौर पर खाद्य तेल, बिस्कुट, दवाएं बंद हो जाते हैं तो इससे अन्य तमाम तथा इलेक्टानिक वस्तुओं समेत हर उद्योगों पर इतना विपरीत असर चीज की पैकेजिंग कोरूगेटेड बॉक्स में पड़ेगा कि स्थिति बहत ज्यादा खराब ही होती है। हालात को संभालने के हो जाएगी। जब माल की पैकिंग लिए केन्द्र सरकार को हर हाल में करने के लिए बॉक्स ही नहीं उपलब्ध दखल देना होगा। केन्द्र सरकार निर्यात होंगे तो फिर बाजार में आपूर्ति कैसी व्यापार को बढावा दे रही है लेकिन हो सकेगी? उल्लेखनीय है कि ईस्टर्न घरेलु कोरूगेटेड बॉक्स इंडस्टी मर रही इंडिया कोरूगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरर्स है। यह कौन सी नीति है कि घरेलू एसोसियेशन ने पेपर मिलों द्वारा पेपर उद्योग को मारकर निर्यात व्यापार को की कीमतों में की गई वृद्धि के बढावा दिया जाय? एक तरफ 'मेक प्रतिवाद में आज से 13 मार्च तक इन इंडियां को बढ़ावा देने की सरकार काम बंद रखा है। इस बीच अगर बात कर रही है दूसरी तरफ घरेलू सरकार की ओर से कोई उचित उद्योगों पर आ रहे संकटों को नजरंदाज कदम नहीं उठाया गया तो कर रही है। यह कैसी नीति है? एसोसियेशन आगे की कार्रवाई के इसलिए समय का तकाजा यही है कि लिए गंभीरता से विचार करने पर

12th March 2021 - Dainik Bhiswamitra

सरकार पूरी स्थिति को समझे, अपने बाध्य हो जाएगा।

EICMA के सदस्य 11 से 13 मार्च तक उत्पादन बंद रखेंगे

कोलकाता। ईस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसियेशन की पूर्वी भारत में करीब 1000 उत्पादन यूनिट्स मेंबर हैं और सभी पूरी तरह से आर्थिक संकट से जुझ रहे हैं, क्योंकि पेपर मिल्स व खरीददार के बीच वे बरी तरह से फंसकर लंबा नकसान उठा रहे हैं। ये बातें ईआईसीएमए के प्रेसीडेंट श्री मोहित बजाज ने गत 10 मार्च को प्रेस क्लब में पत्रकारों को बताई। पेपर मिल्स हर दूसरे तीसरे दिन दाम बढ़ा देते हैं और खरीददार अधिक मूल्य देने को तैयार ही नहीं होते अतः सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिये एसोसियेशन ने तय किया है कि 11 मार्च से 13 मार्च तक ऐच्छिक उत्पादन बंद का पालन करेंगे। कच्चे माल व लेबर लागत दिन प्रतिदिन बढती जा रही है पर बिक्री मूल्य उस अनुपात में नहीं बढ़ पा रहे हैं यही तकलीफ है एसोसियेशन को।

11th March 2021 - Pravu Rastra (Page - 7)

समस्तीपुर: रेलकर्मियों ने स्क्रैप से राफेल और पृथ्वी मिसाइल का मॉडल किया तैयार

समस्तीपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। अपनी कार्य क्षमता एवं हनर को लेकर भारतीय रेल मे चर्चित 1881 में स्थापित पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर स्थित रेल यांत्रिक कारखाना में काम करने वाले रेलकर्मियों ने कडी मेहनत से बेकार पड़े स्क्रैप (कबाड़) से राफेल जैसे लड़ाकू विमान और पृथ्वी मिसाइल का मॉडल तैयार किया है। मुख्य कारखाना प्रबंधक वेदप्रकाश ने बुधवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री के कौशल विकास के संदेश से प्रेरणा लेकर कर्मचारी वेस्ट मैटेरियल स्क्रेप से देशभक्ति से जुडी कलाकृति बनाया है।उन्होंने बताया कि कबाड़ (स्क्रैप) से रेलकर्मियों ने राफेल जैसे लडाकु विमान और पृथ्वी मिसाइल का मॉडल बनाया है। करीब पांच फीट लंबे और 50 किलो वजन वाले इस राफेल विमान को सात दिनों की कड़ी मेहनत से कर्मियों ने तैयार किया है। इसके अलावा दो पथ्वी मिसाइल और दो लोहे के स्क्रैप से पेड़ पौधों की कलाकृति भी बनाई गई हैं।इसके अलावे कर्मचारी अभी मेक इन इंडिया के तहत तोप का भी निर्माण करने में लगे हए हैं।रेलवे इस राफेल विमान और मिसाइल के मॉडल समेत अन्य निर्मित सामानों को लोगों के लिए समस्तीपुर रेलवे यांत्रिक कारखाना मे सेल्फी पॉइंट के रूप में स्थापित करने की योजना बना रही है। श्री प्रकाश ने बताया कि राफेल विमान और पृथ्वी मिसाइल जैसी कलाकृतियां कर्मचारियों के कौशल विकास को प्रदर्शित करती हैं।देश भक्ति का जज्बा लिए समस्तीपुर यांत्रिक कारखाना के रेलकर्मी अपने इ्यूटी के बाद अपने हुनर का प्रदर्शन करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।



गंभीर स्थिति से जुझ रहे ईस्टर्न इंडिया कोरूगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसियेशन अपनी मांगों को लेकर 11 से 13 मार्च तक व्यवसाय बन्द रखेगा। प्रेस क्लब में व्यवसाय बन्द की मीडिया को जानकारी दे रहे अध्यक्ष मोहित बजाज, पूर्व अध्यक्ष भरत केडिया, उपाध्यक्ष अच्युत चन्द्रा – विश्वमित्र तथा सचिव प्रदीप अग्रवाल।

11th March 2021 - Bhart Mitra (Page - 4)

Economy

Facing a crisis, corrugated box makers seek a ban on kraft paper exports

G Balachandar Chennai | Updated on March 10, 2021

Rising cost of kraft paper, shortage due to exports, push local industry to

The South India Corrugated Box Manufacturers' Association (SICBMA) has urged the Centre to impose an immediate ban on the export of kraft paper in any form. Kraft paper is the main raw material in the production of corrugated boxes. Export of the Kraft paper has shrunk the supply by more than 50 per cent in the local market in the recent months.

"This has not only hit the production but also threatening the existence of hundreds of SMEs in Tamil Nadu and Puducherry," said SICBMA, a 50-year old body representing the manufacturers of corrugated boxes in South India.

The corrugated box industry uses biodegradable kraft paper as the main raw material. There are about 2,000 units – comprising mostly of micro, small and medium units – in Tamil Nadu and Puducherry engaged in the manufacturing of corrugated boxes. They employ nearly 1,00,000 people – about 60 per cent of them are women.

Though the demand for the boxes is steadily growing post Covid-19, the manufacturers are not able to ensure supply, as thousands of tonnes of kraft paper are exported, leaving the local industry high and dry. The severe shortage, coupled with an unprecedented increase in the price of kraft paper, has pushed manufacturers to the brink of closure.

Production impact

"The cost of kraft paper typically accounts for 85 per cent of the production cost of corrugated boxes. With the steep rise in the price of kraft paper, triggered largely by the export-led shortage, the cost of manufacturing of corrugated boxes has risen by 60 per cent," said G Nagaraj, President of SICBMA.

Most of the box manufacturers can neither accommodate the sudden rise in the raw material cost nor pass it on to the end customers as units work on a very thin margin.

"Unless export is banned and supply of kraft paper is ensured, many industries will have to close their units. We are being sandwiched between kraft paper mills and the customers of corrugated boxes, most of whom are big corporates," he added.

Corrugated box (also known as carton box) is a key packaging material for pharma, FMCG, food products, automobiles, electrical appliances, among others.

Link: https://www.thehindubusinessline.com/economy/facing-a-crisis-corrugatedbox-makers-seek-a-ban-on-kraft-paper-exports/article34038446.ece

11th March 2021 - The Hindu Business Line

№ETPrime

Rising input cost forces corrugated box manufacturers to go for a voluntary shutdown



Other inputs including steel stitching wire, starch, labour, energy, transportation and other costs have witnessed unprecedented rise thereby increasing the conversion cost I 40 per cent to 50 per cent.

Synopsis

A release issued by the Eastern India Corrugated Box Manufacturers' Association (EICMA) on Wednesday said "The corrugated box industry comprising MSME entrepreneurs has been sufferir immensely as it neither has any control on the unabated increase in input costs nor over escalating kraft paper prices.

12th March 2021 - ET Prime

বাডছে থব্ড, তিলদিলের কাজ বন্ধ রাখার আয়াল"ইকমা"ব



বিবিশি নিউজ,বাজকুমার দাস: ইস্টার্ন ইন্ডিয়া কারুগেটেড বঙ্গ ম্যানুফ্যাকচার স আসোসিয়েশন(ইকমা)-র তর্কে এক সাংবাদিক সম্মেলন করে জানারো হয় সম্পূর্ণ পূর্ব ভারতে ক্র্যাফট কাগজের দাম রেড়ে যাওয়াতে তাঁদের সংগঠন তিনদিন (১১থেকে ১৩ই মার্চ)স্বেচ্ছায় সর ইউনিটের কাজ বন্ধ রাখরে। তাতে যদি সরকারের দৃষ্টিতে আমাদের অসুবিধার কথা পৌঁছায় সেই আশামালকভাউরের প্রসবকিছুর দাম বেড়ে গেছে,ক্র্যাফট পেপারের দাম ও প্রায় ষাট থেকে সত্র শতাংশ রেডে যাওয়াতে লেবার বিয়ে ম্যাবুক্যাকচারিং করা প্রায় হৃতির সম্মুখীর হতে হচ্ছে।তাই এই সিদ্ধান্ত বলে সাংবাদিক সঞ্জেলনে উপস্থিত থেকে জানান সংস্থার সভাপতি মোহিত রাজাজ,সম্পাদক প্রদীপ আগারওমাল, সহ এক্স প্রেসিডেন্ট ভরত কেডিয়া,ভাইস প্রেসিডেন্ট অচ্যুত্

Dailyhunt

Disclaimer: This story is auto-aggregated by a computer program and has not been created or edited by Dailyhunt, Publisher: BBP NEWS

Link: http://dhunt.in/drDvu?s=a&ss=wsp

12th March 2021 - BBP News -Dailyhunt